



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 718]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 8, 2016/आश्विन 16, 1938

No. 718]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 8, 2016/ASVINA 16, 1938

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 2016

सा.का.नि. 977(अ).—चूंकि वायुयान नियम, 1937 में आगे और संशोधन करने के लिए कतिपय प्रारूप नियम वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय की तारीख 09 अगस्त, 2016 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 805(अ) के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किए गए, जिसे ऐसे सभी व्यक्तियों जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, से राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन की अवधि की सामाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए भारत के राजपत्र की प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई गईं ;

और चूंकि उक्त अधिसूचना की प्रतियां 19 अगस्त, 2016 को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और चूंकि उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के अंदर प्रारूप नियमों के संबंध में किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है;

अतः, अब केंद्रीय सरकार, उक्त वायुयान अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (चौथा संशोधन) नियम, 2016 है।
(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में, --

(क) नियम 3 में, खंड (17) (सा.का.नि 232(अ), तारीख 19 मार्च, 2007 द्वारा लोपित) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अन्तःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“(17क) रक्षा विमान क्षेत्र” उस विमान क्षेत्र से अभिप्रेत है जो भारतीय वायु सेना, भारतीय नौ सेना या भारतीय थल सेना के स्वामित्व में है और उसके द्वारा प्रचालित है;”;

(ख) नियम 78 में,-

(i) उप-नियम (1) में, “कोई विमान क्षेत्र नहीं” शब्दों के स्थान पर “रक्षा विमान क्षेत्र से भिन्न कोई विमान क्षेत्र नहीं” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;

(ii) उप-नियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-नियम अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“(1क) किसी रक्षा विमान क्षेत्र, का उपयोग किसी अनुसूचित विमान परिवहन सेवा द्वारा अवतरण या प्रस्थान के नियमित स्थान के रूप में तब तक नहीं किया जा सकेगा जब तक कि वह महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार प्रमाणित नहीं कर दिया जाता:

परंतु इस उप-नियम में निहित कोई अन्य बात रक्षा विमान क्षेत्र पर ऐसी अवधि के लिए लागू नहीं होगी जो केंद्रीय सरकार द्वारा सरकारी राजपत्र में अधिसूचित की जाए; यदि ऐसी अनुसूचित विमान परिवहन सेवा वायुयान (चौथा संशोधन) नियम, 2016 के प्रारंभ होने की तारीख से उस विमान क्षेत्र पर पहले से प्रचालित की जा रही है।”

[फा. सं. एवी.11012/4/2005-ए]

अरूण कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना संख्या वी-26 द्वारा सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में तारीख 24 सितम्बर, 2016 को प्रकाशित अधिसूचना संख्या.सा.का.नि 911(अ), द्वारा किया गया।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th October, 2016

G.S.R. 977(E).—Whereas the draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, was published, as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (XXII of 1934), vide notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation, published in the Gazette of India, Extraordinary Part-II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 805(E), dated 09th August, 2016, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to public;

And whereas copies of the Gazette in which the said notification was published were made available to the public on the 19th August, 2016;

And whereas no objections or suggestions have been received from any person in respect of the draft rules within the period specified in the said notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 5 of the said Aircraft Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely: —

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Fourth Amendment) Rules, 2016.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, —

- (a) in rule 3, after clause (17)[omitted by GSR 232(E), dated 19th March, 2007], the following clause shall be inserted, namely:-

“(17A) Defence Aerodrome” means an aerodrome owned and operated by Indian Air Force, Indian Navy or Indian Army;”;

- (b) in rule 78, —

(i) in sub-rule (1), for the words, “No aerodrome”, the words, “No aerodrome other than a defence aerodrome” shall be substituted;

(ii) after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(1A) A defence aerodrome shall not be used as a regular place of landing and departure by a scheduled air transport service, unless it has been certified as per the requirements specified by the Director-General:

Provided that nothing contained in this sub-rule shall apply to a defence aerodrome, for such a period as may be notified by the Central Government in the Official Gazette, if such scheduled air transport services are already operating to that aerodrome on the date of commencement of the Aircraft (Fourth Amendment) Rules, 2016.”.

[F. No. AV.11012/4/2005-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, vide notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended vide GSR 911(E), published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 24th September, 2016.